# Result Mitra Daily Magazine

# नोबेल पुरस्कार और भारत

## ➢ अधूरी सफलता :

- 1930 में सी.वी. रमन को भौतिकी में नोबेल प्राइज प्राप्त हुआ था, जो किसी भारतीय द्वारा भारत में काम करते हुए विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल प्राइज जीतने का एकमात्र अवसर है।
- तब से पिछले 94 वर्षों में तीन और भारतीय मूल के वैज्ञानिकों ने (1968 में मेडिसीन में हरगोविंद खुराना, 1983 में भौतिकी के सुब्रमण्यम चंद्रशेखर और 2009 में रसायन विज्ञान में वेंकटरमन रामकृष्णन)नोबेल प्राइज जीता है, लेकिन एक तो उन्होंने भारत से बाहर कार्य किया और दूसरा जब उन्हें पुरस्कार प्राप्त हुआ तो वह भारतीय नागरिक नहीं थे।

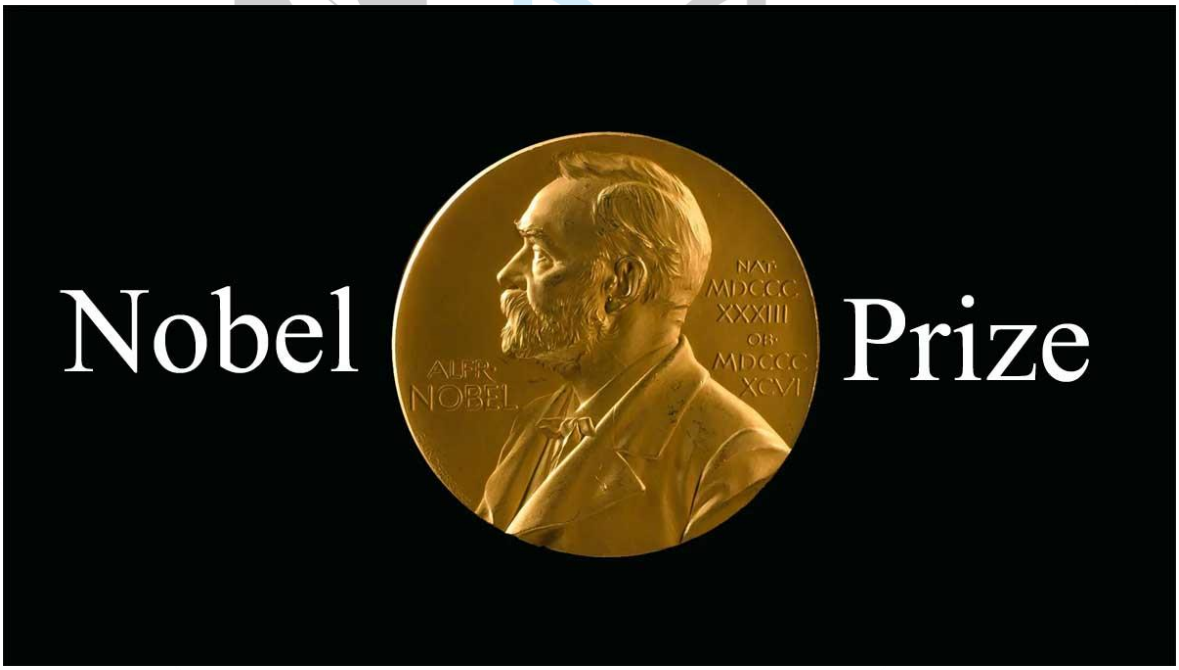


## ➢ कारक :

### 1. भारत की सीमाएं :–

- सार्वजनिक वित्त पोषण का निम्न स्तर, कमजोर बुनियादी ढांचा, निजी शोध संस्थानों की कमी के साथ शोधकर्ताओं एवं जनसंख्या अनुपात में कमी प्रमुख कारण है।
- भारत में शोधकर्ताओं का जनसंख्या की दृष्टि से अनुपात वैश्विक औसत से पांच गुना कम है।

## 2. नामांकित, चयन नहीं :–

- नोबेल प्राइज के लिए नामांकित होना भी गौरवशाली बात है क्योंकि इनका नामांकन वैज्ञानिक, नोबेल प्राइज विजेता एवं विशिष्ट प्रोफेसर के समूह द्वारा किया जाता है।
- नामांकित होने का तात्पर्य है कि उस व्यक्ति ने नोबेल जीतने के योग्य काम किया है।
- नामांकित व्यक्तियों के नाम न्यूनतम 50 वर्ष बाद ही सार्वजनिक किए जाते हैं और वह भी नियमित रूप से अपडेट नहीं किए जाते हैं।
- भौतिकी एवं रसायन में नामांकित व्यक्तियों का डेटा 1970 तक जबकि मेडिसीन के लिए 1953 तक का डेटा ही सार्वजनिक किया गया है।
- सार्वजनिक किए गए 35 से ज्यादा भारतीयों में से 6 वैज्ञानिक है।
- इनमें मेघनाथ साहा, सत्येंद्र नाथ बोस एवं होमी जहांगीर भाभा (भौतिकी) जी. एन. रामचंद्रन एवं टी. शेषाद्री (रसायन) एवं उपेंद्रनाथ ब्रह्मचारी (मेडिसीन) शामिल है।
- इन सभी को एक से ज्यादा बार नामांकित किया गया, साथ ही उस अवधि में भारत में कार्यरत कई ब्रिटिश वैज्ञानिकों को भी नामांकित किया गया था।

## 3. भेदभाव :–

- जगदीश चंद्र बोस 1895 में वायरलेस संचार का प्रदर्शन करने वाले पहले व्यक्ति थे, लेकिन 1909 में मार्कोनी एवं फर्डिनेंड ब्राउन को इसी कार्य के लिए नोबेल(भौतिकी) दिया गया।
- बोस को "प्लांट फिजियोलॉजी" में बेहद प्रभावशाली परिणाम देने के बावजूद कभी नामांकित भी नहीं किया गया।
- के.एस. कृष्णन ने सी.वी. रमन के साथ मिलकर "रमन प्रकीर्णन प्रभाव" की खोज की थी, लेकिन रमन को अकेले ही यह पुरस्कार दिया गया।
- ई.सी.जी. सुदर्शन एक ऐसे ही वैज्ञानिक थे, जिन्हें दो बार अनदेखा किया गया।
- 1979 और 2005 में भौतिकी में नोबेल जिस काम के लिए प्रदान किए गए थे, उसमें सर्वाधिक योगदान सुदर्शन का था।
- वैसे तो 1970 के बाद का डेटा सार्वजनिक नहीं किया गया है लेकिन प्रो. सी. एन. राव (रसायन) के कार्यों को लंबे समय से नोबेल योग्य माना जाता रहा है और संभव है कि उनको कभी नामांकित किया गया हो।

## 4. तुलनात्मक समीक्षा :–

- भारत नोबेल पुरस्कारों में खराब रिकॉर्ड रखने वाला एकमात्र देश नहीं है, बल्कि आश्चर्यजनक रूप से इसमें चीन एवं इजराइल भी शामिल है, जहां अनुसंधान एवं विकास पर काफी संसाधन खर्च किए जाते हैं।

Result Mitra

- विज्ञान क्षेत्र में अब तक 653 लोगों को नोबेल प्राप्त हुआ है, जिसमें से 150 से ज्यादा यहूदी समुदाय हैं लेकिन इजराइल जिसे "यहूदियों की मातृभूमि" कहा जाता है, ने सिर्फ 4 नोबेल जीते हैं (सभी रसायन क्षेत्र में)।
- चीन, जिसका जनसंख्या–शोधकर्ता अनुपात और GDP की तुलना में R&D पर खर्च भारत से क्रमशः 4 गुना एवं 3 गुना ज्यादा है और साथ ही कई विश्वविद्यालय शीर्ष 50 में रैंक करते हैं, ने विज्ञान में सिर्फ 3 नोबेल जीते हैं।
- दक्षिण कोरिया, जो एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक शक्ति है, अभी तक कोई नोबेल नहीं जीत पाया है।

**5. पश्चिमी वर्चस्व :–**

- विज्ञान के नोबेल में USA एवं यूरोप के वैज्ञानिकों का दबदबा रहा है।
- उत्तरी अमेरिका एवं यूरोप के बाहर केवल 9 ऐसे देश हैं, जिसके शोधकर्ताओं ने विज्ञान में नोबेल जीता है, जिसमें जापान 21 पुरस्कारों के साथ पहले स्थान पर है।
- रसायन में 197 विजेताओं में से केवल 15, मेडिसीन में 229 विजेताओं में से केवल 7 और भौतिकी में 227 विजेताओं में से केवल 13 एशिया, अफ्रीका या दक्षिण अमेरिका से संबंध रखते हैं।

Result Mitra